सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव – जोरियम, विकास खण्ड- मिल्कीपुर, अयोध्या (उ.प्र.) में की गई गतिविधियाँ

<u>ग्राम जोरियम में जागरुकता कार्यक्रमः</u>

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एंव परिवार अध्ययन विभाग द्वारा दिनांक 12 जून 2022 को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर ग्रामीण महिलाओ हेतु एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चो को शिक्षा एंव बचपन से वन्चित रखना अपराध है और इससे संबंधित कानून, हेल्पलाईन नंबर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर दिनांक 17 जुलाई, 2022 को ग्रामीण महिलाओ को उनके अधिकार एंव कानूनों के प्रति जागरुक किया गया।

विश्व स्तनपान सप्ताहः

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एंव परिवार अध्ययन द्वारा दिनांक 6 अगस्त, 2022 को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतरर्गत् ग्राम जोरियम के अमृत सरोवर के निकट एक महिला गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओ से धात्री महिलाओ के स्वास्थ रक्षा हेतु चर्चा की गई। स्तनपान के पोषण एंव स्वास्थ्य गुणों के साथ-साथ शिशु के खानपान एंव स्तनपान कराते समय सावधानियों के बारे में जानकारी दी। उन्हें स्तन के कैसर पर भी जागरुक किया गया। चर्चा के दौरान महिलाओ को बोतल से दूध पिलाने के खतरों के बारे में आगाह किया।

आजादी के अमृत महोत्सव के पर वृक्षारोपणः

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत् दिनांक 3 अगस्त 2022 को ग्राम के अमृत सरोवर के पास सागौन, शीशम और अमरुद जैसे वृक्ष के पौधे रोपण किये। अधिष्ठाता ने वृक्षो की हमारे जीवन में क्या भूमिका है, इस पर प्रकाश डाल महिलाओ और ग्रामीणों को जागरुक किया। इसमें महाविद्यालय की समस्त

शिक्षिकाए, कर्मचारी एंव छात्राओ ने सहभाग किया। ग्रामीण महिलाओ ने भी वृक्षारोपण किया और पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी ली।

हर-घर तिरंगा अभियानः

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 11 अगस्त 2022 को ग्राम जोरियम में महाविद्यालय द्वारा हर-घर तिरंगा अभियान चलाकर देश के प्रति सम्मान गौरान्वित होने के लिए जागरुक किया। ग्रामीणों को तिरंगे झंडे बाँटे गए। ग्रामीणों और महाविद्यालय की अधिष्ठाता, समस्त शिक्षक, कर्मचारी एंव छात्राओं ने झंडे लेकर गांव का भ्रमण किया और ग्राम के प्राइमरी विद्यालय पर एकत्रित हुए। वहाँ बच्चो ने तिरंगे की शान में गीत गाए और अधिष्ठाता ने आजादी की जंग और तिरंगे का महत्व समझाया। त्दोपरान्त विद्यालय परिसर पर सफाई अभियान चलाया गया और स्वच्छता के बारे में जागरुक किया। इसमें सभी वर्ग के लोगों ने प्रतिभाग किया।

पोषण माह का आयोजनः

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एंव पोषण विभाग द्वारा पोषण माह के अंतिम सप्ताह (23-29 सितंबर, 2022) के अंतरर्गत् जोरियम गांव में महिलाओ एंव किशोरियों हेतु स्वास्थ्य एंव मोटे अनाजों की दैनिक उपयोग पर एक जागरुकता एंव प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षण के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन और किशोरियों को सेनेटरी पैड का वितरण किया गया।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धा दिवसः

महाविद्यालय को संसाधन प्रबंधन एंव उपभोगता विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 4 अक्टूबर, 2022 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धा दिवस के अवसर पर बुजुगों एंव उनके परिवार के बच्चों के बीच आपसी संबंध को मजबूत करने हेतु त्तकाल एक कार्य दिया गया जिससे बच्चों ने अपने परिवार के वरिष्ठ नागरिकों से मिट्टी के खिलौने बनाना सीखे।

बाल दिवस का आयोजनः

प्रतियोगितायों में प्रतिभाग करते स्कूली बच्चे-2022

प्रतियोगिताओ के गौरान्वित विजेता

बाल दिवस पर महिला गोष्ठी -2022

बाल दिवस कार्यक्रम मानव विकास एंव परिवार अध्य्यन विभाग ने 2021 एंव 2022 में आयोजित किया। दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को बच्चो के विकास हेतु कविता सुनाने, पेंटिग करना, मेंढक दौड आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जिसमें सभी बच्चों ने प्रतिभाग किया। विजेयता सभी छात्र-छात्राओ को आयोजित गोष्ठी में आए अभिवाहको के समक्ष पुरस्कृत किया गया। सभी बच्चों और अभिवाहको को मिष्ठान भी वितरित किया।

महिला गोष्ठी में उन्हे बच्चें के लालन-पालन, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सरकार द्वारा संचालित योजनाओ और कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

वर्ष 2021 में बाल दिवसः

जोरियम ग्राम में बाल दिवस के उपलक्ष में प्रथामिक विद्लाय के बच्चो के लिए बाधा दौड़ आयोजित किया गया। ग्रामीण महिलाओ को लिंग भेदभाव एंव किशोरियो के विभिन्न मूद्दों पर चर्चा हुई। महिलाओ नें किशोर बालकों के गलत आदतों के प्रति चिंता जताई और सभी बच्चो पर ध्यान देने की जिम्मेदारी ली। विजेता छात्र-छात्राओ को कार्यक्रम में इनाम एंव प्रमाण-पत्र दे प्रोत्साहित किया।

गोद लिए गांव में प्रशिक्षणः

महिलाओ के आर्थिक स्वालंबन हेतु समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षण को आयोजन किया गया जो निम्मनवत् है।

बन्धेज (टाई एन डाई)

दिनांक 24 जुलाई, 2022 को तंत्तु एंवं परिधान डिजिइन विभाग ने ग्रामीण महिलाओ को बन्धेज तकनीक का प्रदर्शन एंव प्रशिक्षण दिया।

मैक्रीम तकनीकः

मैक्रीम तकनीक से सजावटी एंव उपयोगी वस्तु बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। सितम्बर 30, 2022 को आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओ और युवतियों ने भाग लिया।

ब्लाक प्रिंटिगः

महाविद्यालय के तंत्तु एंव परिधान डिजिइन विभाग ने ग्रामीण महिलाओ को कपडों पर ब्लाक प्रिटिग कर मूल्य वर्धन करने का प्रशिक्षण दिया और इसे उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

रावे (RAWE) कार्यक्रम के अंतरगर्त छात्राओ द्वारा तकनीकी स्थानांतरणः

Student READY Programme के अंतरगर्त् स्नातक की छात्राए Rural Awareness Work Experience (RAWE) में चयनित गांव की स्थिति का अध्ययन करती है और आवश्यक तकनीकों का प्रसार करती है। ऐसे उन्हें ग्रानीणों के साथ कार्य करने का अनुभव होता है।

सामुदायिक महाविद्यालय की 13 अंतिम वर्ष की छात्राए आठवें समेस्टर में दो माह प्रतिदिन गोद लिए चयनित जोरियम गांव में गई। हर छात्रा ने कम से कम तीन परिवारो का चयन एंव अध्ययन किया। इस तरह छात्राओ ने कुल 39 परिवारो का अध्ययन किया और उनसे निम्मन विषयो पर चर्चा की । साथ ही विभिन्न मूल्य-वर्धन हेतु तकनीकी जानकारी एंव उनका प्रदर्शन कर उनके लाभ पर चर्चा किया गया।

निम्मन विषयो पर चर्चा कीः

1) परिवार का खाने की आदतें,
2) संतुलित आहार,
3) खाद्य स्वच्छता एंव सफाई,
4) खेती एंव घरेलु कठीन कार्य,

5) सरल कृषि उपकरण,
6) अनउपयोगी वस्तुओ का उपयोग,
7) समय और उर्जा प्रबंधन,
8) कार्य सरलीकरण,
9) प्रबंधन तकनीक
10) गर्भवती एंव धात्री महिलाओ की देखभाल
11) स्तनपान का महत्व
12) घरेलु हिंसा
13) शिशु स्वास्थ्य एंव टीकाकरण
14) पोष्टिक पूरक आहार बनाने का प्रदर्शन
15) पूर्वशाला बच्चों की देखभाल एंव शिक्षा
16) बच्चों के लिए सामग्री एंव क्रियाओं का प्रदर्शन
17) बच्चों में व्यवहारिक परेशानियां
18) घरेलु परिधान बनाना
19) ब्लाक प्रिंटिग
20) मैक्रम के वस्तु बनाना
21) वस्त्रों की देखभाल
22) कपडों से दाग हटाना

जोरियम परिवारों का केस अध्ययन

1) चयनित परिवार के मुखिया का नाम- श्रीमती शारदा सिंह
   a. उम्रः 75 वर्ष
   b. लिंग – महिला
   c. परिवार में सदस्यों की संख्याः – 5
   d. वयस्क – 3
   e. बच्चे –2
   f. जाति – समान्य
   g. व्यवसाय – कृषि
   h. परिवार का प्रकार – एकाकी
   i. परिवार को दी गई तकनीक एंव परिणाम

मासिक धर्म स्वच्छता

परिवार से उनके मासिक धर्म के बारे में पूछा गया और पता चला कि वे मासिक धर्म में बालों को नहीं धुलते, प्रतिदिन स्नान नहीं करते, अचार को न छुना आदि जैसी पुरानी घरणा है। साथ मासिक धर्म में कपडे का प्रयोग करते थे। छात्रा ने परिवार की महिलाओ को मासिक धर्म के बारे में बताया और कैसे यह एक स्वभाविक शरीर की क्रिया है। इस दौरान स्वच्छता का महत्तव समझाया। इससे जुडी भ्रतियों पर भी चर्चा की।

j. परिणाम
   परिवार की महिलाए अब मासिक धर्म में सही तरीके स्वच्छता और सावधानी रखती है।

2) चयनित परिवार के मुखिया का नाम- श्री चंद्रजीत सिंह
   a. उम्रः 34 वर्ष
   b. लिंग – पुरुष
   c. परिवार में सदस्यों की संख्याः 4
   d. वयस्क –2
   e. बच्चे –2
   f. जाति – समान्य
   g. व्यवसाय –कृषि
   h. धर्म – हिन्दू
   i. परिवार का प्रकार – एकाकी
   j. परिवार को दी गई तकनीक एंव परिणाम

पुरानी चुडीयों से उपयोगी वस्तुए बनाना

परिवार के सदस्यों से बात कर पता तला कि वे पुरानी चुडीयों को फैंक देते है। छात्रा ने पुरानी चुडीयों को सजाकर नई चुडीयों में परिवर्तित करना सीखाया।पुरानी चुडीयों से ही पेन स्टैड, दिवाल पर सजावटी वस्तुए बनाना आदि सीखाया।

k. परिणाम

चयनित परिवार ने छात्रा के जाने के बाद अपने पसंद की नवीन सोच से चुडीयाँ बनाई और अगले दिन दिखाया। कुछ पुरानी चुडीयों का प्रयोग से सुसज्जिक पेन स्टैड भी बनाया था।

3) चयनित परिवार के मुखिया का नाम- श्री सुरेश

a. उम्रः 30 वर्ष
b. प्रतिवादी का नाम – श्रीमती सरिता
c. लिंग – महिला
d. परिवार में सदस्यों की संख्याः 3
e. वयस्क – 2
f. बच्चे – 1
g. जाति – समान्य
h. व्यवसाय – कृषि
i. धर्म – हिन्दू
j. परिवार का प्रकार – एकाकी
k. **परिवार को दी गई तकनीक एंव परिणाम**

ग्राम जोरियम में रावे के दौरान एक महिला गोष्ठी का आयोजन छात्राओ ने आंगनवाडी केन्द्र पर किया गया। एकत्रित महिलाओं को पूरक आहार के बारे में बताया क्योंकि महिलाओ ने बताया था कि वे अपने शिशु को पूरक आहार में दाल का पानी, मसला हुआ आलू कर खिलाती है। महिलाओ को शिशु के आहार में क्या-क्या दे सकते है इसकी जीनकारी दी। फिर उन्हें ऐसा पोष्टिक पुरक आहार का प्रीमिक्स बनाने की विधि प्रदर्शित किया जिसमें सही अनुपात अनाज, दाल, तिलहन (4:2:1) से बना कर भंडारण कर सकते है और शिशु को भूख लगने पर पूरक आहार के प्रीमिक्स को आवश्यकता अनुसार निकल कर स्वादानुसार चीनी और दूध अथवा पानी में घोल कर शिशु को खिलाया जा सकता है। इससे शिशु को जल्द पोष्टिक आहार मिल जाएगा और वह कुपोषण से बचा जा सकता है।

l. **परिणाम**

महिलाओ को पोष्टिक पूरक आहार की विधि समझ में आई और यह स्वाद में उन्हे और उनके शिशु को पसंद आया। वे इस तकनीक को अपना कर शिशु को आहार देती है।